Dainik Bhaskar (Indore), 03rd April 2026, Page- 05

आईआईटी इंदौर के इनक्यूबेशन सेंटर में कॉन्क्लेव

25 स्टार्टअप ने 14 इन्वेस्टर्स के सामने रखे अपने आइडिया

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर के इनक्यूबेशन सेंटर दृष्टि जीपीएस फाउंडेशन में दो दिवसीय 'स्टेकहोल्डर इंगेजमेंट इन टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन - सेतु' कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। 50 से ज्यादा स्टार्टअप ने अपनी टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया। इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव में 14 से अधिक वेंचर कैपिटलिस्ट ने भाग लेकर पिचिंग सेशन के दौरान स्टार्टअप्स को परखा और फीडबैक दिया। कार्यक्रम में शैक्षणिक जगत के शोधकर्ता भी शामिल हुए।

दृष्टि फाउंडेशन के एवीपी वैभव जैन ने बताया कि इवेंट में आईआईटी इंदौर के सभी डीन, 41 प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर और चार एम्स के डॉक्टर और शोधकर्ताओं की टीम इस मौके पर उपस्थित थी। कई सरकारी नीतिगत संस्थाओं - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, दूरसंचार विभाग, अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) सेल आदि के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

स्वास्थ्य नवाचार आसानी से लागू होना जरूरी : विशेषज्ञ

कॉन्क्लेव का पहला दिन हेल्थकेयर से जुड़े स्टार्टअप्स को समर्पित था, जिसमें स्टार्टअप और रिसर्च टीम ने एआई आधारित डायग्नोस्टिक, क्लीनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम, मेडिकल इमेजिंग और सुरक्षित डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म्स पर चर्चा की। इस दौरान एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई जिसमें एम्स रायपुर के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल ने कहा कि सफल नवाचार वही होता है जो की समस्याओं का समाधान निकाले ही, साथ ही किफायती भी हो और आसानी से लागू किया जा सके।

स्टार्टअप सिर्फ प्रोटोटाइप न बनाएं : उद्योग

कार्यक्रम का दूसरा दिन इंडस्ट्री 4.0 के लिए उपयोगी डीप-टेक नवाचार पर केंद्रित था। उद्योगों के प्रतिनिधियों ने क्या स्पष्ट किया कि स्टार्टअप्स को प्रोटोटाइप से आगे जाकर, ऐसे समाधान पेश करने होंगे, जो विश्वसनीय हो, आसानी से लागू किया जा सके और उपयोगी हो। इसके अतिरिक्त एक सत्र इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स और आईआईटी इंदौर से संचालित इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी फैसिलिटेशन सेंटर पर भी केंद्र था।